

रेवा तेरे चरणों में, मेरा मन जो लग जाये
इस दिल की बुझी शम्मा ॥२॥ फिर से न सुलग जाये

॥२॥

ये मन बड़ा पापी है

चरणों में नहीं लगता

जितना इसे अपनाया

उतना ही ये भगता

इतना तो समझा दो ३३३३३ मंथन ॥

इतना तो समझा दो, फिर ये न अलग जाये

इस दिल----- रेवा तेरे-----

देखी जो तेरी महिमा

जग अच्चा नहीं लगता ॥२॥

जब लहरों को देखूँ,

दिल मेरा उमंग भरता

तेरी एक नजर से तो ३३३३३ मंथन ॥

तेरी एक नजर से तो, किस्मत मेरी जग जाये

इस दिल----- रेवा तेरे-----

माया बड़ी ठगनी है

इसे कौन नहीं जाने

कब ठग के ले जाये

नहीं इतना कोई जाने

मेरा हाथ तो थामो मर्द

मेरा हाथ तो थामो ~~मैं~~ मेरी श्रद्धा न ठग जाये

इस दिल - - - - -

रेवा तेरे -----

सब ओर अँधेरा है

किस ओर "श्रीबाबा श्री" जाऊँ
जीते जी आँचल में.

ਜੀਲੇ ਜੀ ਆਂਚਲ ਸੇਂ.

लगाता है समा जाऊँ

तेरे नाम पे ओ रेवा ॐॐॐॐॐॐ

तेरे नाम पे ओ रेवा कोई दाग न लग जाये

इस दिनांक-----

रेखा तेरे -----